पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के शहीद दिवस पर राज्यपाल की भावभीनी श्रद्धांजलि
डाॅ0 राम मनोहर लोहिया की जयंती पर राज्यपाल ने आदरांजलि व्यक्त की

लखनऊः 23 मार्च, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के शहीद दिवस पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि हम न केवल वीर क्रांतिकारियों और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान की स्मृति को सदैव जीवित रखें बल्कि उनके आदर्श जीवन से प्रेरणा प्राप्त करें और देश की स्वतंत्रता, एकता और अखण्डता को एकजुट होकर पूरी शक्ति से मजबूत बनाये रखें। यही हम सबकी वीर क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भगत सिंह देश के वह बहादुर सपूत थे, जो अंग्रेजों की हृदय-विदारक यातनाओं से न तो कभी विचलित हुए और न ही उनसे किसी प्रकार का समझौता किया। भगत सिंह के साथ ही उनके दोनों साथी राजगुरू और सुखदेव भी क्रांतिकारी गतिविधियों में किसी से पीछे नहीं थे। इन तीनों वीर क्रांतिकारियों को आज ही के दिन 23 मार्च 1931 को फांसी दे दी गई थी।

राज्यपाल ने डाॅ राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें आदरांजलि अर्पित करते हुये कहा कि डाॅ0 लोहिया समग्र परिवर्तन के सूत्रधार थे। वे केवल एक राजनेता ही नहीं बल्कि मौलिक चिन्तन करने वाले दार्शनिक थे जिनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था। डाॅ0 लोहिया इतिहास, दर्शन साहित्य, धर्म के गहन पाठक थे। लोहिया जी का मानना था कि देश के नवनिर्माण में महिलाओं को आगे आना चाहिए। महिलाओं को द्रौपदी की तरह विवेकशील बनकर अपमान न सहने का संकल्प लेना चाहिए। गंगा, यमुना और देश की अन्य नदियों को साफ करने का विचार उन्होंने सबसे पहले रखा। उन्होंने कहा कि लोहिया जी जीवन भर कर्मयोगी रहे।

श्री नाईक ने कहा कि लोहिया जी में अद्भुत मेधा और आत्मविश्वास था। 'राम, कृष्ण और शिव लेख' में लोहिया जी ने भारतीय परम्पराओं की काव्यमय व्याख्या की है। रामचरितमानस के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा थी। चित्रकूट में रामायण मेला की कल्पना लोहिया जी की थी। इतिहास, दर्शन, अर्थशास्त्र पर भी उन्होंने अपने विचार रखे। लोहिया जी कहा करते थे कि 'लोग मेरी बात सुनेंगे, शायद मेरे मरने के बाद लेकिन सुनेंगे जरूर।' उन्होंने कहा कि देश के महापुरूषों की विचारधारा और दर्शन को समझते हुये युवा पीढ़ी को उसके लिये प्रेरित करना होगा, यही महापुरूषों की प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अंजुम/ललित/राजभवन (113/28)